श्री गुरुचरणकमलेभ्यो नमः

खंडग्रास चंद्रग्रहण

चंद्रग्रहण साधनाएं

२८/२९-१०-२०२३

रात १:०५ से रात २:२४ तक

१) माहेन्द्री यक्षिणी साधना: इन्द्र एवं लक्ष्मी कृपा हेतु

विधान: साधक या साधिकायें, पीले या सफेद वस्त्र धारण कर पूर्व दिशा के ओर बैठे और सामने गुरु चित्र लगाकर पंचोपचार पूजन कर साधना आरंभ करे | खुले आसमान में साधना करे | संपूर्ण ग्रहण काल जप करे | साधना उपरान्त माला जंगल या नदी में विसर्जन करे |

मंत्र: || ॐ ऐं क्लीं ऐंन्द्री माहेन्द्रि कुलु कुलु चुलु चलु हंस: स्वाहा ||

सामाग्री: सफेद हकीक माला

जप संख्या: संपूर्ण ग्रहण काल जप करे

२) क्षीरार्णवा यक्षिणी मंत्र: द्रव्य पैसा/धन,यक्षिणी सिद्धि हेतु

विधान: साधक या साधिकायें , पूर्व दिशा के ओर बैठे और सामने गुरु चित्र लगाकर पंचोपचार पूजन कर साधना आरंभ करे | खीर का भोगा लगा कर,त्राटक करते हुऐ ,सफेद हकीक माला से ११ माला जप करे | साधना उपरान्त माला विसर्जन करे |

मंत्र: || ॐ नमो ज्वाला माणिक्य भुषणायै नमः ||

सामाग्री: सफेद हकीक माला

जप संख्या: ११ माला

३) चंन्द्रिका यक्षिणी मंत्र सिद्धि:

विधान: साधक या साधिकायें , सफेद वस्त्र धारण पूर्व दिशा के ओर बैठे और सामने गुरु चित्र लगाकर पंचोपचार पूजन कर साधना आरंभ करे | ईत्र का फुहा लगा कर जप करे | जब यक्षिणी सामने आये तो,कान का भुहा उसे दे और वचन ले | माला यक्षिणी के हाथ मे थमा दे या विसर्जन करे |

मंत्र: || ॐ ह्रीं चंन्द्रिके हंस: क्लीं स्वाहा ||

सामाग्री: सफेद हकीक या यक्षिणी माला

जप संख्या: २१ माला

****